

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) भादरा, जिला हनुमानगढ़
पीठासीन अधिकारी :- श्री कल्पित शिवरान आर.ए.एस.

गि०न० - 31/2025

अनवान :-

1. जसवंत पुत्र रिसालाराम जाति जाट निवासी भौजाना तहसील भादरा।

:- प्रार्थी

बनाम्

1. भीमसिंह पुत्र रिसालाराम जाति जाट निवासी भौजाना तहसील भादरा।
2. सावित्री देवी पत्नी मुकेश कुमार जाति जाट निवासी भौजाना तहसील भादरा।
3. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- अप्रार्थीगण



प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251ए

आरटीएक्ट सपठित धारा 8(2) राज० कॉल० ए

उपस्थिति :- श्री नरेन्द्र शर्मा प्रार्थी

श्री राधेश्याम अप्रार्थीगण

निर्णय

दिनांक: 04.09.2025

संक्षेप में प्रार्थना के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मौजा भौजाना के खाता सं० 46/39 के खसरा सं० 143/61, 147/14, 150/15, 153/97 कुल 2.1540 है० कृषि भूमि प्रार्थी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

प्रार्थी के चिपते हुए रोही मौजा भौजाना के खाता सं० 47/39 के खसरा सं० 102, 142/61, 146/14, 149/15, 152/97 कुल 2.1540 है० कृषि भूमि अप्रार्थी सं० 1 भीमसिंह के नाम व रोही मौजा भौजाना के खाता सं० 39/40 के खसरा सं० 144/61, 145/61, 148/14, 151/15, 154/97 कुल 2.1550 है० कृषि भूमि अप्रार्थी सं० 2 सावित्री देवी के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

अप्रार्थी सं० 1 के खसरा सं० 152/97 से होते हुए उत्तर से दक्षिण 20 फीट चौड़ाई में रास्ता स्वीकृत है और प्रार्थी आज तक अपने खेत में आने जाने के लिए अप्रार्थीगण की कृषि भूमि में से आवागमन करता आ रहा है उक्त रास्ता राजस्व रिकार्ड में स्वीकृतशुदा नहीं है। यदि अप्रार्थी सं० 1 के खसरा सं० 152/97 में से पश्चिम से पूर्व होते हुए अप्रार्थी सं० 2 के खसरा सं० 154/97 से होते हुए 16-1/2 फीट चौड़ा स्वीकृत शुदा रास्ता दे दिया जाता है तो उससे कोई कानूनी अडचन नहीं है। प्रार्थी अप्रार्थी सं० 1 व 2 को स्वीकृत रास्ते की भूमि के बदले भूमि व भूमि नहीं लेने की सूरत में भूमि की कीमत देने के लिए तैयार है। रास्ता स्वीकृत करवा पाने का अधिकारी है। अप्रार्थीगण ने प्रार्थीगण को धमकी दी है कि हमारी खातेदारी में से कोई रास्ता स्वीकृत नहीं है इसलिए हम इस रास्ता को बंद कर रहे हैं यदि अप्रार्थीगण अपनी खातेदारी में उक्त रास्ता बंद कर देते हैं तो प्रार्थीगण अपनी खातेदारी में आवागमन नहीं कर पायेंगे तथा प्रार्थीगण की खातेदारी आवागमन के अभाव में काश्त से वंचित रह जायेंगे। इसलिए प्रार्थी अपनी उक्त कृषि भूमि में जाने के लिए सदामत से ही चालू उक्त रास्ता का अंकन राजस्व रिकॉर्ड स्वीकृत करवाने हेतु यह प्रार्थना पत्र पेश किया है।

प्रार्थना पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये सम्मन किया गया। सम्मन तामिल होने के बाद प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण ने सं० 1 ता 2 ने सहमति से राजीनामा पेश किया।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने वहस वकील प्रार्थी ने कथन किया प्रार्थी व अप्रार्थीगण सं० 1 ता 2 अपने-अपने हिस्से अनुसार अपनी-अपनी कृषि भूमि पर कर रहे हैं। खसरा सं० 152/97 में से पश्चिम से पूर्व होते हुए अप्रार्थी सं० 2 के खसरा सं० 154/97 से होते हुए 16-1/2 फीट चौड़ा रास्ता का उपयोग करता है। उक्त किलाजात में राजस्व रिकार्ड में रास्ता स्वीकृत नहीं है। इसलिए उक्त रास्ता राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए पक्षकारान ने सहमति प्रकट कर रास्ता का अंकन किया जाना स्वीकार किया है। इसलिए प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन है।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत प्रस्तावों एवं राजीनामा का अवलोकन किया गया। चूंकि प्रस्तावित रास्ता की भूमि के एवज में प्रार्थी रास्ता की भूमि के बदले अप्रार्थीगण सं० 1 व 2 को देने की सहमती अनुसार विवादित भूमि में प्रस्तावित रास्ता स्वीकार योग्य होने के कारण प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाता है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी अन्तर्गत धारा 251 क आरटीएक्ट उपरोक्त विवेचानुसार स्वीकार किया जाता है तथा तहसीलदार भादरा को आदेशित किया जाता है कि अप्रार्थी सं० 1 भीमसिंह की रोही मौजा मौजाना के खाता सं० 47/39 के खसरा सं० 152/97 में से पश्चिम से पूर्व होते हुए 16-1/2 फीट चौड़ाई में व अप्रार्थी सं० 2 सावित्रीदेवी के नाम रोही मौजा मौजाना के खाता सं० 39/40 के खसरा सं० 154/97 से होते हुए 16-1/2 फीट चौड़ा रास्ता स्वीकृत किया जाकर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। व उक्त रास्ता की भूमि की एवज में प्रार्थी के नाम भूमि में से कम की जाकर अप्रार्थी सं० 1 भीमसिंह व अप्रार्थीया सं० 2 सावित्रीदेवी के नाम दर्ज की जाकर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किया जावे अन्यथा रास्ता की भूमि के एवज में राजस्थान स्टाम्प नियम 2004 के नियम 2 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के तहत गठित जिला स्तरीय समीति द्वारा सिफारिस की गई कृषि भूमि दर के अनुसार अप्रार्थीगण को प्रतिफल राशि दिलायी जाकर ही उक्त रास्ता का अंकन राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(कल्पित शिवरानि)

R.A.S
उपरखण्ड अधिकारी (राजस्व)
भादरा जिला हनुमानगढ़